IAS PCS

सरस्वती

POL. SCIENCE

Answer Sheet

Mains Exam, Year-..............

Name. RAHUL DHOTE

Subject. POLITICAL SCIENCE

Date. 17/10/2016

UPSC Roll No. —

Contact No. ....

Hindi / English Medium

सरस्वती IAS

A-20, 102, First Floor, Indraprasth Tower (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 09

Ph. 011-27651250, 09899156495, 09810702119

E-mail : saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

प्रश्न(1)
उत्तर(a)

तुलनात्मक पद्धति का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र-राज्यों के मध्य राजनीतिक व्यवस्था, संवैधानिक तंत्र तथा संस्थाओं के मध्य तुलना कर सार्वभौमिक सिद्धांतों का प्रतिपादन करना है।

इस पद्धति की निम्न सीमाएँ है-

i) तुलनात्मक पद्धति से व्यवस्थाओं की मात्र व्याख्या की जा सकती है। इसके द्वारा एक सार्वभौमिक समाधान नहीं दिया जा सकता है।

ii) तुलनात्मक अध्ययन अत्यंत गतिशील है। इस कारण तुलनात्मक पद्धति के लिए नियम बनाना अत्यंत कठिन है।

iii) तुलनात्मक अध्ययन का केन्द्र बिन्दु हमेशा बदलता रहता है। उदाहरण के लिए शीतयुद्ध के दौर में संस्थाओं की तुलनाओं

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

पर बल दिया जाता था, जबकि शीतयुद्धोत्तर युग में आर्थिक क्षमता के आधार पर गवर्नेंस को परिभाषित किया जाता है।

iv) तुलनात्मक पद्धति वास्तव में पश्चिमी देशों को आदर्शवादी दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है एवं विकासशील देशों के सकारात्मक पहलूओं को नजरअंदाज करती है।

इस प्रकार तुलनात्मक पद्धति की अपनी सीमा है। परंतु फिर भी सार्वभौमिक मुद्दों (पर्यावरण, आतंकवाद, मानवाधिकार) पर इसकी सहायता प्राप्त की जा सकती है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b)

केनेथ वाल्ज के अनुसार, शक्ति किसी राष्ट्र की कुल भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक क्षमता का योग है। यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में संप्रभुता की संरक्षक है।

शक्ति को भिन्न-भिन्न रूपों में देखा जा सकता है -

i) सैन्य शक्ति - यथार्थवादियों के अनुसार राष्ट्रहित ही शक्ति का प्रेरणास्रोत है तथा इसके लिए मजबूत सैन्य शक्ति आवश्यक है। एक मजबूत सैन्य राष्ट्र ही वैश्विक परिदृश्य में अपने राष्ट्रहितों को बेहतर रूप से संचालित कर सकता है।

ii) सॉफ्ट पावर → यह आदर्शवादियों के अधिक समीप है। इसमें राष्ट्र-राज्य द्वारा दीर्घकालिक रणनीति के रूप में सामाजिक सांस्कृतिक व मानवीय मूल्यों को सुदृढ़

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

किया जाता है।

iii) क्षेत्रीय संगठन की शक्ति - वर्तमान बहुकेन्द्रीय विश्व में एकीकृत क्षेत्रीय संगठन के रूप में शक्ति नए रूप में परिभाषित हो रही है। (उदा॰ - आसियान)

इस प्रकार शक्ति, राष्ट्रीय हित एवं अंतर्राष्ट्रीय सँबंधों में मुख्य कर्ता है। इसके ~~निम्न~~ द्वारा -

i) राष्ट्रीय संप्रभुता के संरक्षण में सहायता प्राप्त होती है।

ii) यह राष्ट्रीय हित को बढ़ावा देने में मदद करती है, जिससे न्यूनतम संसाधनों से अधिकतम लाभ हो।

iii) यह राष्ट्रीय सुरक्षा व शक्ति के लिए भी आधार का कार्य करती है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

C

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व के दो गुटों में बँटने के कारण गुटनिरपेक्षता पर तृतीय विश्व के देशों द्वारा बल दिया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसी था –

i) किसी भी गुट के प्रभाव के बिना स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय नीति का निर्माण करना।
ii) दोनों गुटों से अच्छे संबंध रखकर अपना अधिकतम हित सुनिश्चित करना।
iii) किसी एक गुट में शामिल होकर अनावश्यक तनाव से बचना।

परंतु सोवियत संघ के पतन ने द्विध्रुवीय विश्व को अमेरिकी प्रभुत्व की विश्व में बदल दिया। इस कारण गुटनिरपेक्षता एक नीति के रूप प्रासंगिकता पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाने लगे। इसके निम्न कारण हैं –

i) गुटनिरपेक्ष का अर्थ गुटों से निरपेक्ष रहना है। परंतु गुटों के अभाव में

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

निरपेक्षता अप्रासंगिक है।

ii) बहुध्रुवीय विश्व में प्रत्येक राष्ट्र-राज्य अपना अधिकतम प्रतिनिधित्व चाहता है, जिससे निरपेक्ष रहना संभव नहीं है।

iii) विश्व वैश्विक गाँव की ओर बढ़ रहा है। इस कारण प्रत्येक राष्ट्र की भागीदारी सक्रिय रूप से बढ़ रही है।

iv) उदारीकरण, निजीकरण, नई आर्थिक व्यवस्था, संचार व तकनीक विकास ने भी गुटनिरपेक्षता पर प्रहार किया है।

v) वैश्विक मुद्दों (आतंकवाद, शरणार्थी संकट, साइबर अपराध, पर्यावरण चुनौतियाँ, मानवाधिकार आंदोलन) ने भी इसे अकम प्रासंगिक किया है।

हालाँकि सीरिया संकट, यूक्रेन संकट आदि ने पुनः नए शीतयुद्ध की ओर संकेत किया है। फिर भी इस नए दौर में गुट निरपेक्ष होना अत्यंत कठिन होगा।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

d) गुजराल सिद्धांत से आरंभ हुई "पूर्व की ओर देखो" नीति का आधार पूर्वी एशियाई राष्ट्रों (आसियान राष्ट्र, जापान आदि) से संबंध सुधार पर था। इसे वर्तमान में परिवर्तित कर "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" कर दिया है। इसका आधार है व्यापक संबंधों के साथ अधिकतम आपसी लाभ व समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

"एक्ट ईस्ट पॉलिसी" की निम्न विशेषताएँ है-

i) "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" भारत की विदेश नीति को नया कूटनीतिक व रणनीतिक आयाम प्रदान करती है। यह 'शांतिपूर्ण सहअस्तित्व' के भारतीय सिद्धांत को और अधिक व्यापक करती है।

ii) "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" के द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था को नए बाजार तक पहुँच ~~की प्राप्ति~~

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

हो रही है।

iii) विदेश नीति के सबसे महत्वपूर्ण पहलू "ऊर्जा सुरक्षा" में भी भारत को एक विश्वसनीय क्षेत्र व साझेदार प्राप्त हुए है।

iv) वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका की "एशिया पॉवट" सिद्धांत, चीन के "वन बेल्ट वन रोड" सिद्धांत के परिदृश्य में "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" भारत को वैश्विक राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान प्रदान कर रही है।

v) "एक्ट ईस्ट पॉलिसी" आर्थिक एकीकरण एवं आधारभूत संरचना विकास (बी.सी.आई.एम. कॉरिडोर, थाईलैण्ड-म्यांमार-कम्बोडिया हाईवे, कलादान मल्टीमोड प्रोजेक्ट) पर अधिक ध्यान दे रहा है, जो भारत के उत्तर पूर्व के ~~लिए~~ विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरस्वती

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

Q) यूरोपीयन यूनियन से ब्रिटेन के एक्जिट को "ब्रेक्सिट" नाम से जाना जाता है। इसके निम्न निहितार्थ है-

i) यह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में यथार्थवादियों की मान्यता को अधिक सुदृढ़ करती है कि राष्ट्रहित ही अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का मुख्य कारक है।

ii) यह राष्ट्र-राज्य के पुनः सशक्त होने की ओर इशारा करती है।

iii) यह राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों के विकास का संकेत है तथा आर्थिक क्षेत्र में नई आर्थिक व्यवस्था में संरक्षणवादी नीतियों के बढ़ने की ओर इशारा करती है।

iv) ब्रेक्सिट, नव-उपनिवेशवाद की छिपी हुई अवधारणा को पुष्ट करता है तथा यह स्पष्ट करता है कि वैश्विक

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

व्यवस्था में विशेषकर आर्थिक नीतियों से कुछ राष्ट्र अपने स्वार्थ सिद्धि पर बल देते हैं।

इस प्रकार यह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में नए आयाम को स्थ उभारती है। इसका भारत पर की अर्थव्यवस्था पर निम्न प्रभाव हो सकता है -

हानियाँ -

i) भारत-ई॰यू॰ मुक्त व्यापार समझौता को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता होगी।

ii) ब्रिटेन में निवेशित भारतीय कंपनियों को ई॰यू॰ बाजार के रूप में नुकसान उठाना पड़ सकता है।

लाभ -

iii) भारतीय विद्यार्थियों के लिए प्रतिस्पर्धा नियम कम कठोर होंगे।

iv) ब्रिटेन व ई॰यू॰ के मध्य मोल ~~मोल~~-भाव कर भारत अधिक संतुलित "राष्ट्रीय हित" साध सकता है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

प्रश्न (2)

पृथ्वी पर जीवन के संरक्षण हेतु पर्यावरण को बचाना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि-

i) पर्यावरण का ह्रास मानव सभ्यता का अंत होगा।

ii) पर्यावरण के ह्रास से संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। इससे राष्ट्रों के मध्य तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जो विश्वयुद्ध का कारण भी बन सकती है।
(उदा०- दक्षिण चीन सागर में चीन व अन्य देशों का संघर्ष)

iii) पर्यावरण के क्षरण से भुखमरी, गरीबी, स्वास्थ्य, असमानता आदि प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए है, जो कुछ सीमा तक आतंकवाद एवं अन्य अतिवादी घटनाओं के लिए जिम्मेदार है।

इसके साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.
सरस्वती

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

मानव अस्तित्व की लड़ाई है। संयुक्त राष्ट्र ~~म~~ द्वारा इसके लिए निम्न प्रयास किए गए है-

i) 1992 में "अर्थ समिट" के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के लिए यू॰एन॰एफ॰सी॰सी॰ का गठन किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के कारकों को पहचानकर उन्हें कम करना है।

ii) इसी प्रकार ओजोन ~~गैस~~ परत के ह्रास को रोकना, नदी-झील संरक्षण (रामसर कन्वेंशन), पशुओं का संरक्षण (रेड डाटा बुक) पर बल दिया गया है।

iii) पेरिस समझौता के माध्यम से देशों का विधिक उत्तरदायित्व सुनिश्चित किया गया है।

iv) नवीनीकृत ऊर्जा संसाधनों पर बल दिया जा रहा है।

सरस्वती

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

इन प्रयासों के बावजूद कुछ चुनौतियां है -

i) अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखता है, चाहे उसके लिए पर्यावरण की क्षति क्यूं न हो। विकसित - विकासशील देशों के मध्य पर्यावरण - द्वंद उसका पुख्ता प्रमाण है।

ii) पर्यावरण वैश्विक चुनौती है, इसे राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय नियमों के से परे जाकर सुलझाने की आवश्यकता है। परंतु वर्तमान ऐसा कोई प्रयास नहीं हो रहा है।

iii) पर्यावरण से राष्ट्र-राज्य की संप्रभुता को भी चुनौती मिल रही है।

अतः राष्ट्र-हित, वैश्विक-हित एवं मानवीय-हित (पर्यावरण संरक्षण) में संतुलन के साथ प्रयास अनिवार्य है।

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b) द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका व सोवियत संघ के मध्य मनोवैज्ञानिक खेमेबंदी ~~द्वारा~~ को शीतयुद्ध की संज्ञा दी गई है। पुराने व नए शीतयुद्ध में निम्न अंतर है -

i) पुराने शीतयुद्ध में का मुख्य आधार हथियारों की होड़ थी। इसमें ~~स~~ दोनों देश हथियारों को बढ़ावा देते थे तथा अधिक से अधिक राष्ट्र-राज्यों को अपनी ओर मिलाने का प्रयास करते थे। (उदा०- क्यूबा मिसाइल संकट, वियतनाम युद्ध)

नए शीतयुद्ध का मुख्य आधार वैश्विक मुद्दे है। इसमें ~~स~~ दोनों देश वैचारिक स्तर पर एक दूसरे के विरोध में खड़े है।

(उदा० श्रीलंका में मानवाधिकार के मुद्दे पर सुरक्षा परिषद में केस द्वारा अमेरिकी

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

प्रस्ताव पर वीटो लगाना।)

ii) पुराने शीतयुद्ध में मात्र अमेरिका व सोवियत संघ महत्वपूर्ण कर्ता थे।

नए शीतयुद्ध में चीन व भारत जैसे विकासशील देशों की भूमिका बढ़ी है [उदा॰→ क्रीमिया युद्ध (यूक्रेन संकट) में चीन रूस के पक्ष में था तथा भारत तटस्थ। अतः रूस पर कड़ी आर्थिक कार्यवाही नहीं हुई।]

iii) पुराना शीतयुद्ध व्यापार के क्षेत्र को लेकर था। (उदा॰- स्वेज नहर संकट)

नए शीतयुद्ध का क्षेत्र मानवीय हस्तक्षेप भी है। (उदा॰- सीरिया में अमेरिका व रूस के मध्य मतभेद)

इस प्रकार इनकी प्रकृति में अंतर है। हालाँकि नए शीत युद्ध को पूर्णतः शीतयुद्ध कहना उचित नहीं होगा। हाँ, यह उस दिशा में एक आहट अवश्य है। #

सरस्वती
सरस्वती

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

"ब्रेटनवुड्स ट्विन्स" से तात्पर्य विश्वबैंक व "अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष" से है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् इनका निर्माण वैश्विक व्यवस्था के पुनर्निर्माण के लिए किया गया था। इनकी भूमिका निम्न रही -

सकारात्मक भूमिका -

i) ब्रेटनवुड्स ट्विन्स ने कुछ सीमा तक विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को संभालने में भूमिका निभायी। (उदा० - 1990 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था को उबारने में)।

ii) विश्व बैंक ने कई अफ्रीकी देशों के अवसंरचनात्मक विकास में योगदान दिया।

नकारात्मक भूमिका -

i) वास्तव में यह नवउपनिवेशवाद के प्रतीक बने। ~~इनके कारण~~ निर्भरता सिद्धांत के अनुसार ब्रेटनवुड्स ट्विन्स के कारण

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

ही विकासशील देश विकसित राष्ट्रों पर निर्भर हुए।

ii) राज्यों की संप्रभुता पर हमला - ब्रेटनवुड्स ट्विन्स ने धन उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्र-राज्यों की नीतियों को प्रभावित किया, विशेषकर शीतयुद्धोत्तर युग में।
(उदा:- भारत की नई आर्थिक नीति 1991 आई॰ एम॰ एफ॰ के दबाव में लाई गई)

iii) पश्चिमी देशों के प्रभुत्व के द्वारा यह व्यवस्था अंतर्राष्ट्रीय शोषण का प्रतीक बनी।
(उदा:- ब्रिक्स बैंक, ए॰आई॰आई॰बी॰, एशियन डेवलमेंट बैंक आदि इसके असंतुलित शक्ति वितरण के प्रमाण है)

इस प्रकार इनकी प्रवृत्ति शोषणात्मक व असंतुलित अधिक रही। फिर भी इसमें संरचनात्मक सुधार व समान प्रतिनिधित्व के द्वारा इसे अधिक प्रासंगिक बनाया जा सकता है।

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

SECTION-B

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b)

भारत - बांग्लादेश सीमा समझौता

100वें संविधान संशोधन के रूप में अनुच्छेद 1 के अंतर्गत हुआ। इसके द्वारा "इन्क्लेव" व ~~एक्सक्लेव~~ "एक्सक्लेव" का आदान प्रदान हुआ। इसके द्वारा "नया सुरक्षा माहौल" बन सकता है, क्योंकि -

i) यह भारत की "शांतिपूर्ण सहअस्तित्व" की अवधारणा को पुख्ता करता है, क्योंकि इसमें भारत को अधिक भूमि प्रदान करनी पड़ी है।

ii) यह क्षेत्र में भारत के "बिग ब्रदर सिंड्रोम" को भी कम करता है तथा भारत पर विश्वास को बढ़ाता है।

iii) इससे भारत के "उत्तर-पूर्व" में होने वाली घुसपैठ एवं प्रवास कम होगी तथा स्थानीय संसाधनों पर दबाव कम होगा, जो क्षेत्र में शांति व स्थायित्व को बढ़ायेगा।

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

iv) इसके साथ बाँग्लादेश ने भी "प्रत्यर्पण संधि" पर हस्ताक्षर कर "उत्तर-पूर्व" में संचालित अतिवादी गुटों पर सख्त कार्यवाही का संदेश दिया है।

v) यह सीमा समझौता भारत को बाँग्लादेश के द्वारा उत्तर-पूर्व के जुड़ाव के लिए "कॉरीडोर" निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करता है। इससे उत्तर-पूर्व में विकास, शांति व स्थायित्व आएगा।

vi) इस समझौते से "छद्म सीमा" एवं "अस्पष्ट सीमा" समाप्त होगी। इससे असम, प. बंगाल, त्रिपुरा पर सीमा प्रबंधन मजबूत किया जा सकता है।

इससे साथ-साथ म्यांमार से संबंध एवं उत्तर-पूर्व विकास नीति भी उत्तर-पूर्व में "नया सुरक्षा माहौल" बनाने में अनिवार्य है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

यह सत्य है कि भारत-पाकिस्तान संबंध 'आपसी आदर' से ज्यादा 'अविश्वास' से भरे हैं। इसके निम्न कारण है—

i) भारत-पाकिस्तान विभाजन का मुख्य आधार ही अविश्वास व असुरक्षा की भावना था, विशेषकर पाकिस्तान के परिदृश्य से।

ii) कश्मीर विवाद, सरक्रीक विवाद व सिन्धु जल बँटवारा आदि (पाकिस्तान के आलोक में) विवादों ने इस अविश्वास को बनाए रखा।

iii) 1965, 1971 व कारगिल युद्ध से यह अविश्वास और गहराता गया।

iv) सीमा पार आतंकवाद (मुंबई हमला, संसद पर हमला) इने इस अविश्वास को स्थायित्व प्रदान किया।

इसके पश्चात् शिमला समझौता, अटल-लाहौर यात्रा, सार्क सम्मेलनों से कुछ

सरस्वती
सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

विश्वास बढ़ाने का प्रयत्न किया गया। परंतु ~~इसके साथ~~ हाल ही में हुए पठानकोट व उरी हमलों ने ब अविश्वास का घाव गहरा कर दिया। उसके बाद भारत ने निम्न कदम उठाए -

i) वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करने की मुहिम।
ii) पाक अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक।
iii) सार्क सम्मेलन के इस्लामाबाद में होने का बहिष्कार।
iv) सिंधु नदी समझौते पर पुनर्विचार का संकेत।

स्पष्ट है कि यह अविश्वास को अत्यंत गहराई तक प्रस्तुत करता है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

भारत-अफ्रीका संबंध गुटनिरपेक्ष आंदोलन के काल से सुदृढ़ रहे है। शीतयुद्धोत्तर युग में भारत की आर्थिक महाशक्ति बनने से इन संबंधों में गर्माहट बढ़ी है। इसके कारण है -

i) भारत की ऊर्जा आवश्यकता,

ii) भारत को नए बाजार की तलाश,

iii) संयुक्त राष्ट्र संघ में सुधार के लिए अफ्रीकी देशों की सहायता, विशेषकर सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने के लिए।

iv) चीन व अन्य देशों पर कूटनीतिक बढ़त के लिए सॉफ्ट पॉवर का प्रयोग।

इसी परिदृश्य में 2000 के बाद संबंधों में बदलाव आया है -

i) भारत सरकारी उपक्रमों के माध्यम से अफ्रीका में अधिक निवेश कर रहा है, विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य व ऊर्जा के क्षेत्र में,

सरस्वती

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

जिसका दूरगामी परिणाम होगा।

ii) अफ्रीका अब बाजार से बढ़कर हो गया। अफ्रीका के माध्यम से भारत खाद्य सुरक्षा पर भी बल दे रहा है। (उदा० मोजाम्बिक व केन्या से दाल उत्पादन के लिए समझौता)

iii) भारत-अफ्रीका तृतीय समिट, 2015 में भारत ने अफ्रीका को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया है।

iv) आतंकवाद नियंत्रण पर भी अफ्रीकी देशों के ~~मध्य~~ साथ भारत के समझौते हुए हैं।

v) पर्यावरण मुद्दे पर विकसित राष्ट्रों के विरुद्ध समर्थन

इस प्रकार भारत अफ्रीकी विकासशील देशों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर दोनों के लिए "विन-विन" परिस्थिति की संभावनाएं बढ़ा रहा है।

सरस्वती

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

भारत के विदेश नीति निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण आयाम है "राष्ट्र हित" व "शांतिपूर्ण सहअस्तित्व"। इसमें निम्न संस्थाएँ सम्मिलित हैं -

i) विदेश मंत्रालय - यह मुख्य नोडल एजेंसी है, जो विदेश नीति का निर्माण करती है।

ii) प्रधानमंत्री कार्यालय व गृह मंत्रालय - विदेश नीति के निर्धारक तत्वों में आंतरिक सुरक्षा व आंतरिक परिस्थिति सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

iii) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार -

iv) अन्य संस्थाएँ - आई॰डी॰एस॰ए॰, विवेकानंद फाउण्डेशन आदि संस्थाएँ भी विदेश नीति की दिशाओं को प्रभावित करते हैं।

सरस्वती
सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

प्रश्न 6

a)

सार्क का गठन बांग्लादेश के प्रयास से दक्षिण एशियाई देशों में शांति व सौहार्द्र बनाने के लिए किया गया था। उसके सदस्य देश भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, भूटान व अफगानिस्तान है। परंतु इसमें निम्न समस्याएँ है -

i) सार्क में भारत - पाक द्विपक्षीय संबंधों की परछाई हमेशा छायी रही। इस कारण यह इसकी सफलता भारत - पाक संबंधों से जुड़ गई।

ii) पाकिस्तान ने हमेशा ही भारत के प्रस्ताव को नकारा है। (उदा० मोटर वाहन समझौता) हालाँकि सार्क चार्टर के अनुसार भारत ने अन्य देशों से (नेपाल, भूटान, बांग्लादेश) यह समझौता कर लिया है।

iii) सार्क क्षेत्र में आतंकवाद रोकने में नाकाम रहा है। इससे क्षेत्र में कभी तनाव कम नहीं हुआ है

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

iv) सार्क ऊर्जा क्षेत्र एवं व्यापार क्षेत्र में प्रभावी कार्य करने में सफल नहीं रहा है। (उदा॰ साफ्टा मुक्त व्यापार समझौता क्रियान्वित नहीं हो पाया)

v) सार्क वैश्विक मुद्दों व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में भी अपनी छाप छोड़ने में विफल रहा है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सार्क की प्रासंगिकता कम हुई है तथा भारत-पाक द्विपक्षीय समाधान के बिना इसके सफल होने की प्रायिकता भी अत्यंत न्यून है। अतः भारत को निम्न कदम उठाने चाहिए –

i) "बिमस्टेक" को बढ़ावा देना चाहिए तथा अफगानिस्तान को भी सम्मिलित करने का प्रयास करना चाहिए।

ii) "सार्क माइनस वन" की संभावना तलाशना चाहिए।

इस प्रकार भारत को अधिक स्थायित्व व अत्य उपयोगी समूह के क्रियान्वयन पर बल देना चाहिए।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

b) भारत के प्रधानमंत्री द्वारा बलूचिस्तान में मानवाधिकार हनन के मुद्दे को उठाकर भारतीय विदेश नीति को नया आयाम दिया है। यह भारत के स्वतंत्र व महाशक्ति के रूप में उभरने का प्रतीक है।

बलूचिस्तान पर भारत की नीति -

i) बलूचिस्तान में मानवाधिकार मुद्दे पर नैतिक समर्थन।

सकारात्मक प्रभाव -

i) भारत की सॉफ्ट पॉवर नेशन की छवि को राष्ट्रहित के साथ समायोजित किया गया।

ii) पाकिस्तान के साथ विदेश नीति में यथार्थवाद के तत्व को बढ़ावा मिला।

iii) पाकिस्तान पर दबाव बढ़ाया जा सकता है एवं कश्मीर मामले में संप्रभुता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

नकारात्मक प्रभाव -

i) कुछ आलोचक इसे भारत के नैतिक

सरस्वती सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

iii) भारत - अफगानिस्तान का सबसे पहला रणनीतिक साझेदार है।

परंतु अफगानिस्तान पर अपनी नीति के लिए भारत को निम्न सुरक्षा उपाय अपनाने चाहिए -

i) सभी हितधारकों से समान व संतुलित व्यवहार हों। (सरकार, विपक्ष व विद्रोही)

ii) सेना का प्रयोग न हो, मात्र हथियारों द्वारा लोकतांत्रिक सरकार को सशक्त करें।

iii) किसी भी युद्ध की परिस्थिति का त्याग करें।

iv) ईरान के साथ मिलकर अफगान-ईरान-भारत त्रिपक्षीय समझौते को मजबूती प्रदान करें।

इस प्रकार बलूचिस्तान व अफगानिस्तान में भारत में पूर्व की विदेश नीति मे राष्ट्रहित में थोड़ा बदलाव अवश्य लाया है।

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

प्रश्न 9)

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व में सुरक्षा स्थायित्व के लिए बने सुरक्षा परिषद् में शक्ति का असंतुलन है। भारत उसी असंतुलन को दूर करने तथा बदलते परिदृश्य में सुधार के लिए स्थायी सदस्य की माँग करता है। भारतीय दावे का निम्न आधार है—

i) भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है तथा लगभग सभी विकसित राष्ट्रों से उसके ~~परमाणु~~ नाभिकीय समझौते हैं।

ii) भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (पीपीपी के आधार पर) है।

iii) भारत का 'ट्रैक-रिकॉर्ड' अत्यंत साफ रहा है। भारत ने कभी भी कोई विदेशी आक्रमण नहीं किया है।

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

iv) भारत "पीसकीपिंग फोर्स" में सर्वाधिक योगदान देता है।

v) पेरिस समझौते में भारत के वैश्विक समस्याओं के प्रति समाधान के रवैये की विश्व शक्तियों ने सराहना की है।

vi) भारत 8 बार सुरक्षा परिषद अस्थायी सदस्य रह चुका है।

vii) भारत एम॰टी॰सी॰आर॰ का सदस्य है तथा एन॰एस॰जी॰ का अस्थायी सदस्य रहा है।

इस प्रकार भारत की दावेदारी पुख्ता है, जिसे अनेक अफ्रीकी व लैटिन अमेरिकी देशों का समर्थन प्राप्त है। परंतु फिर भी कुछ समस्याएँ हैं -

i) भारत - पाकिस्तान व भारत-चीन सीमा विवाद।

ii) ~~चीन-4 सदस्य देशों~~ सुरक्षा परिषद में चीन से संबंध।

फिर भी भारत को सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

सरस्वती
सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

b) पँचशील के सिद्धांतों से आरंभ हुए भारत-चीन संबंध बहुत जल्द ही 1961 के युद्ध में परिवर्तित हो गए। तब से लेकर अब तक दोनों देशों के संबंधों में "शांतिपूर्ण-स्थायित्व" की स्पष्टता में कमी है। इसके निम्न कारण है –

i) दोनों परमाणु संपन्न देश है तथा भारत-चीन सीमा विवाद यथावत् है।

ii) दोनों आर्थिक महाशक्ति बनने की होड़ में है।

iii) चीन की विस्तारवादी नीति का भारत ने हमेशा विरोध किया है।

iv) दक्षिण चीन सागर, हिन्द महासागर एवं वैश्विक व्यापार में दोनों प्रतिस्पर्धी व प्रतिद्वंद्वी है।

उपरोक्त कारणों से चीन व भारत के "राष्ट्रीय हित" एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

अधिक है, पूरक कम है। यही कारण है कि दोनों देशों की विदेश नीति में "राष्ट्रीय हित" सर्वोपरि है। इसके अन्य कारण है -

i) चीन - पाकिस्तान मित्रता,
ii) अफगानिस्तान में भारत व चीन का समान हित
iii) एसियान देशों में व्यापारिक व आर्थिक बढ़त लेने की प्रतिस्पर्धा
iv) अफ्रीकी देशों की बाजार के रूप में प्रतिस्पर्धा।
v) सुरक्षा परिषद ~~में~~ भा व एन॰ एस॰ जी॰ में भारत की दावेदारी।

यही कारण है कि "वन बेल्ट वन रोड" ("स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स v/s आर्क सिद्धांत") व छाबाहार बनाम ग्वादर की होड़ स्पष्ट रूप से दोनों की विदेश नीति में स्पष्ट होती है।

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
Please do not write anything in this space.

घरेलू कारक विदेश नीति ~~में~~ को प्रभावित करते हैं। अंतर्निर्भरता ~~सिद्धांत~~ को बढ़ावा मिलने के कारण यह और अधिक स्पष्ट हुआ है।

नेपाल में संविधान निर्माण व उसके पश्चात प्रथम संविधान संशोधन में यह कुछ सीमा तक स्पष्ट है घरेलू कारकों में कुछ विशेष परिस्थिति में बाह्य हस्तक्षेप होता है। नेपाल में मधेसियों की निम्न माँग थी

i) संविधान सभा में अधिक प्रतिनिधित्व,

ii) मधेसी बहुल क्षेत्र को अलग राज्य बनाया जाए।

इस माँग को पूर्णतः स्वीकार न करने पर मधेशियों ने ~~आ~~ भारत-नेपाल सीमा पर बंद का आह्वान किया। इसके कारण भारत ने सुरक्षा दृष्टिकोण से आर्थिक आवाजाही बंद की। परिणामस्वरूप

सरस्वती
सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

नेपाल की अर्थव्यवस्था चरमरा गई एवं नेपाल में प्रथम संविधान संशोधन हुआ, जिससे मधेसियों को अधिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ।

प्रश्न यह उठता है कि भारत की कितनी भूमिका थी और क्यों?

भारत की भूमिका सीमित थी, जिसका मुख्य कारण मधेसियों का भारतीय तराई जनता से "रोटी-बेटी" का संबंध है। इस कारण नेपाल के विचारक आर्थिक बंद को भारत प्रायोजित मानते हैं, जिस को भारत सुरक्षा प्रयोजन कहता है।

इस प्रकार स्थानीय व घरेलू मामलों में बाह्य हस्तक्षेप होता है। इससे संप्रभुता का हनन होता है, क्योंकि -

1) नेपाल का यह निर्णय कुछ सीमा तक दबाव में लिया गया, न कि

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.
सरस्वती

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

पूर्णतः स्वतंत्र रूप से।

ii) नेपाल की आर्थिक व व्यापारिक मार्ग की अंतर्निर्भरता का भी भारत अपने राष्ट्र हित में लाभ उठा सकता है।

हालाँकि भारत ने अभी तक ऐसा कदम कभी नहीं उठाया। फिर भी नेपाल के चीन-कार्ड के प्रति भारत को अपने "राष्ट्रहित" में सजग रहना अनिवार्य है।

सरस्वती

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

सरस्वती
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। Please do not write anything in this space.

प्रश्न 6 (c)

भारत का "नवीन विश्व व्यवस्था" पर दृष्टिकोण -

i) अधिक समावेशी व्यवस्था हो, जिसमें निर्भरता के स्थान पर अंतर्निर्भरता पर बल दिया जाए।

ii) 2008 की मंदी के बाद यह स्पष्ट है कि विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं में भी कुछ कमियाँ हैं। अतः ~~वैश्विक~~ अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के लिए बल देना चाहिए

iii) विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व कर व्यापार संतुलन पर बल देना चाहिए।

iv) मुक्त व्यापार समझौते और क्षेत्रीय आर्थिक संगठनों को बढ़ावा देना चाहिए।

सरस्वती
सरस्वती

A- 20, 102, Indraprasth Tower, (Behind Batra Cinema), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09
Ph:- 011-27651250, 09810702119, 09899156495
E-mail- saraswati.ias@gmail.com, Visit us at: www.saraswatiias.com